एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यकम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन हिंदी काव्य

पूर्णांकः 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : प्राचीन से यहां तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है वहीं रीति काल अपने लौकिक, श्रृंगारिक, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता–पारलौकिता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय : प्राचीन हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

1. कबीरदास : (कबीर–कांतिकुमार जैन–प्रारंभिक 50 साखियॉ।)
2. जायसी : (संक्षिप्त पद्मावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूरदास : (भ्रमरगीत सार–संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल– प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसीदास : "श्रीरामचरितमानस" के सुंदरकांड से प्रारंभिक 30 दोहे, चौपाई, छंद सहित।
5. घनानन्द : (घनानन्द– संपादक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– प्रारंभिक 25 छंद)

द्रुतपाठ : इसके अंतर्गत 1. विद्यापति 2.रहीम 3.रसखान 4.गोपाल मिश्र का अध्ययन किया जाएगा, जिनमें से किन्दी दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ट प्रश्न	अंक–15

कुल–75 अंक

23.2.2023

23/02/23

23/2/2023

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो– कबीर, जायसी	18 कालखण्ड
इकाई तीन – सूर, तुलसी, घनानंद	18 कालखण्ड
इकाई चार – द्रुत पाठ के कवि– विद्यापति, रहीम, रसखान, गोपाल मिश्र	18 कालखण्ड
इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण इकाई से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (CLO)

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की प्रारंभिक काव्य परंपरा एवं रचना शिल्प से परिचित कराना।
2. प्राचीन हिंदी काव्य के अंतर्गत आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों के साहित्य के प्रति मूलभूत समझ विकसित करना।
3. साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रेम, सद्भाव एवं जीवन मूल्यों का विकास करना।
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के कवियों एवं उनके साहित्यिक अवदान के प्रति विद्यार्थियों में अभिरूचि जागृत करना।

23/02/23

23.2.2023

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय : व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक–एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यास:	1. गबन	–मुंशी प्रेमचंद
कहानी	1. पूस की रात	– मुंशी प्रेमचंद
	2. आकाशदीप	– जयशंकर प्रसाद
	3. परदा	– यशपाल
	4. लाल पान की बेगम	– फणीश्वरनाथ रेणु
	5. मलबे का मालिक	– मोहन राकेश
	6. चीफ की दावत	– भीष्म साहनी
	7. जली हुई रस्सी	– गुलशेर खां शानी
	8. नकली हीरे	– उषा प्रियंवदा

द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित चार कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्ही दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

1.उपेन्द्रनाथ अश्क 2.बालशौरि रेड्डी 3.शिवानी 4.पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक–15
	कुल–75 अंक

23.2.2023

23/02/23

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या 18 कालखण्ड

इकाई दो– गबन(उपन्यास), पूस की रात, आकाशदीप, परदा (कहानियाँ) 18 कालखण्ड

इकाई तीन –लाल पान की बेगम, मलबे का मालिक, चीफ की दावत, जली हुई रस्सी, नकली हीरे 18 कालखण्ड

इकाई चार –(क) द्रुत पाठ के कथाकार–उपेन्द्रनाथ अश्क, बालशौरि रेड्डी, शिवानी, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(ख) हिंदी कथा साहित्य का विकास 18 कालखण्ड

इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (CLO)

1. विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास एवं हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित कराना।
2. उपन्यास एवं कहानी विधा की शिल्पगत विशेषताओं से अवगत कराना।
3. मुंशी प्रेमचंद एवं सुप्रसिद्ध कहानीकारों के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के साहित्यकारों के रचनात्मक कौशल एवं हिंदी कथा साहित्य की अंतर्वस्तु की समझ विकसित करना।

23/02/23

23.2.2023

दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) **प्रथम प्रश्नपत्र**
अर्वाचीन हिंदी काव्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य : आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव–भाषा, शिल्प, अंतर्वस्तु संबंधी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती हैं। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य – हिन्दी की आधुनिक कविता की स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में जानकारी प्रदान करना साथ ही छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना। छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि विकसित करना ।

पाठ्य विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग) तीन पद – 1 मुझे फूल मत मारो... 2 आई हूं सशोक में अशोक...3 दोनो ओर प्रेम पलता है ।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला –1.सखि बसंत आया
   2.वर दे, वीणा वादिनी
   3.हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र
   4.तोड़ती पत्थर
   5.कुकुरमुत्ता (अबे सुनबे गुलाब....एक की दी तीन मैंने गुन सुनाकर)
3. सुमित्रानन्दन पंत –1.सुख–दुख
   2.परिवर्तन–2 पद–(1.खोलता इधर जन्मलोचन
   2.आज का दुख कल का आल्हाद)
   3.ताज।
   4.झंझा में नीम
4. माखन लाल चतुर्वेदी –1 बलि पंथी से
   2.सांझ और ढोलक की थापें
   3.मैं बेच रही हूं दही
   4.उलाहना
   5.निःशस्त्र सेनानी
5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय –1.सबेरे उठा तो धूप खिली थी
   2.साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
   3.घर
   4.चांदनी जी लो
   5.दूर्वांचल

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे
1.अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2.सुभद्रा कुमारी चौहान 3.श्रीकांत वर्मा 4.मुकुटधर पाण्डेय

23/02/23

अंक विभाजन :

3 व्याख्या	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न :	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न :	15 अंक
15 अति लघुउत्तरीय प्रश्न :	15 अक

कुल–75 अंक

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो– गुप्त और निराला	18 कालखण्ड
इकाई तीन – पंत, चतुर्वेदी और अज्ञेय	18 कालखण्ड
इकाई चार – द्रुत पाठ के कवि एवं आधुनिक काव्यधारा का इतिहास (राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)	18 कालखण्ड
इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (CLO)

1. आधुनिक काव्य की युगीन प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं से विद्यार्थियों का परिचय कराना।
2. आधुनिक साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता, सहिष्णुता, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जागृत करना।
3. विविध आधुनिक विचार धाराओं में प्रवहमान हिंदी काव्य और कविता के समीक्षात्मक विवेचन से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. युगीन भाषा, संस्कृति और समय की समझ विकसित करना।
5. आधुनिक काव्य, स्वतंत्रता के पूर्व और पश्चात की भाषा शैली एवं वैचारिक यात्रा का बोध कराता है इस वैचारिक यात्रा से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी नाटक, निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक : 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य – हिन्दी गद्य के विकास ने हिन्दी साहित्येतिहास में वैचारिकता और आधुनिकता का मार्ग प्रशस्त किया । नवजागरण की रश्मि और स्वाधीनता की चेतना नाटकों निबंधों एवं अन्य गद्य विधाओं से ही प्रस्फुटित हुई । विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे । हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रगतिवादी स्वभाव से अवगत कराना तथा हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना । हिन्दी निबंध के स्वरूप से भी विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य विषय– व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए दो नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और चार एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक–
1. अंधेर नगरी –भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी –जयशंकर प्रसाद

निबंध–
1. क्रोध –आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. बसंत आ गया है। –डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह
4. काव्येषु नाटकम रम्यम् –बाबू गुलाब राय
5. बेईमानी की परत –हरिशंकर परसाई

एकांकी–
1. दीपदान –रामकुमार वर्मा
2. तांबे के कीड़े –भुवनेश्वर
3. एक दिन –लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. दस हजार –उदयशंकर भट्ट

द्रुतपाठ के लिए निम्नलिखित तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे :

1.राहुल सांकृत्यायन 2. महादेवी वर्मा
3.हबीब तनवीर 4. शंकर शेष

अंक विभाजन–

3 व्याख्याएं	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
15 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

कुल – 75 अंक

इकाई विभाजन :

इकाई एक	–व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो	–अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, क्रोध, बसंत आ गया है, मजदूरी और प्रेम	18 कालखण्ड
इकाई तीन	–काव्येषु नाटकम रम्यम्, बेईमानी की परत, दीपदान, तांबे के कीड़े, एक दिन, दस हजार	18 कालखण्ड
इकाई चार	–द्रुतपाठ के गद्यकार–राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, हबीब तनवीर, शंकर शेष	18 कालखण्ड
इकाई पाँच	–वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (CLO) :

1. गद्य साहित्य आधुनिक काल की प्रवृत्तियों एवं विचारधाराओं का जीवंत दस्तावेज है। हिंदी नाटक, एकांकी एवं निबंध हिन्दी गद्य साहित्य की महत्वपूर्ण सतत् प्रवाहमान विधाएँ हैं। इन विधाओं के विकासक्रम से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

2. हिंदी गद्य साहित्य आधुनिक जीवनानुभूतियों, संवेदनाओं और परिस्थितियों का परिचायक है। विद्यार्थियों को इन विधाओं के विकास क्रम, भाषायी एवं शिल्पगत सूक्ष्मताओं एवं विविधताओं से परिचित कराना।

3. गद्य साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना जागृत कराना।

23/02/23

त्रिवर्षीय उपाधि पाठ्यकम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
प्रथम – प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य

पूर्णांक : 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति रूचि और सजगता का विकास।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप से परिचय।
3. लोक– साहित्य तथा उसकी विभिन्न विधाओं से परिचय तथा छत्तीसढ़ी लोक–संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास।
4. समकालीन छत्तीसगढ़ी साहित्य से परिचय।
5. छत्तीसगढ़ी भाषा के संरचनात्मक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष से परिचय।
6. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा व्यवहार से सामान्य परिचय।

पाठ्य विषय :

इकाई – 01 छत्तीसगढ़ी भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ एवं प्रयोजनीयता — 18 कालखण्ड

क. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ
संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन और कारक

ख. 1. कार्यालयीन पत्र व्यवहार
2. रेडिया पत्रकारिता : उद्घोषणा, रेलवे, आकाशवाणी एवं अन्य

इकाई – 02 क. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य – 1 : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व — 18 कालखण्ड

ख. छत्तीसगढ़ी लोक काव्य :

करमा – 1 चोला रोवत हे राम बिन देखे परान
2. करिया सियाही कागद लिख ना गा

सुवा गीत : – 1. पहिली गवन के मोला डेहरी बैठाये
2. तरी नरी न न ना तरी नरी ना ना

ददरिया :– 1. कया के पेड मा, हड़िया के मारे, तवा के रोटी, पीपर के पाता, तोर मन चलती, फूटहा रे मंदिर मोर जरत करेजा, गोरी के अचरा, नवा घर मा, चंदा तो दाई

23/02/23

इकाई – 03 क. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य – 18 कालखण्ड

2 लोक नाट्य नाचा : (सामान्य परिचय)

गम्मत : माया–परीच्छा

पंथीगीत – 1 सत्यनाम सार ....2 माटी के चोला.....

ख. छत्तीसगढ़ी लोक कथाएं : 1. जा रे ठेकवा नेवता खा

2. घोड़ी वाला जिमींदार

इकाई – 04 आधुनिक छत्तीसगढ़ी काव्य : ऐतिहासिक विकास 18 कालखण्ड

क. छत्तीसगढ़ी काव्य : संत काव्य परंपरा – 1 संत धर्मदास– तीन पद

क. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
ख. नैन आगे ख्याल घनेरा।
ग. भजन करौं भाई रे, अइसन तन पाय के।
(सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उद्धृत)

ख. छत्तीसगढ़ काव्य : आधुनिक काव्य – 1 भगवती लाल सेन –

1 दही के भोरहा मां

2. आ गे बसंत

2. विनय कुमार पाठक

1. तँय उठथस सुरूज उथे

2. एक किसिम के निथाव

3. जीवनलाल यदु

1. बादर करय साहूकारी

2. चेत चेत रे चिरैय्या

इकाई – 05 क. आधुनिक छत्तीसगढ़ी गद्य – ऐतिहासिक विकास 18 कालखण्ड

1. छत्तीसगढ़ी कहिनी – 1. केयूर भूषण – ऑसूं म फिले अंचरा,

2. डॉ. परदेशी राम वर्मा – लोहार बारी

2 छत्तीसगढ़ी निबंध – 1. लखन लाल गुप्त – सोनपान

2. डॉ. सत्यभामा आडिल – सीख – सीख के गोठ

अंक विभाजन–

3 व्याख्याएं	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
15 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

कुल – 75 अंक

23/02/23

23.2.2023

संदर्भ ग्रन्थ–

1.छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य, संपादक – डॉ.सत्यभामा आड़िल (प्रकाशक–विकल्प प्रकाशन, रायपुर, छ.ग.)

2.जनपदीय भाषा–साहित्य छत्तीसगढ़ी, संपादक– डॉ.सत्यभामा आड़िल (प्रकाशक–छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रन्थ अकादमी वि.वि. परिसर, रायपुर, छ.ग.)

3. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्रकार

4. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियां – डॉ. चितरंजन कर

5 छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास में डॉ. विनय पाठक का योगदान–डॉ. मनीष कुमार दीवान, छत्तीसगढ़ टुडे पब्लिकेशन, रायपुर

पाठ्यकम अध्ययन की परिलब्धियॉ (CLO) :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने क पश्चात् विद्यार्थी –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति अभिमुख होगे।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
3. लोक साहित्य एवं उसकी विभिन्न विधाओं से परिचय होगा।
4. छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास होगा।
5. छत्तीसगढ़ी समकालीन साहित्य से परिचय होगा।
6. छत्तीसगढ़ी भाषा के संरचनात्मक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष से परिचित होगें
7. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा भाषा व्यवहार से परिचय होगा।
8. छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को तैयार करना।
9. राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना

23/02/23

बी.ए. भाग–3

(हिंदी साहित्य द्वितीय प्रश्नपत्र)

हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

पूर्णांक 75

क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना : हिंदी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है उतना ही गूढ़–गहन भी। इसमे रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिंदी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। साथ–साथ हिंदी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का समावेश होगा।

पाठ्य विषय :

(क) हिंदी भाषा का स्वरूप–विकास : हिंदी की उत्पत्ति, हिंदी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास।
हिंदी भाषा के विभिन्न रूप– 1.बोलचाल की भाषा 2.रचनात्मक भाषा 3.राष्ट्रभाषा 4.राजभाषा 5.संपर्क भाषा 6.संचार भाषा।
हिंदी का शब्द भंडार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल (पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल, युगीन प्रवृत्तियां)

(ग) आधुनिक काल :सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युगीन प्रवृत्तियाँ।
विशिष्ट रचनाकार, और उनकी प्रतिनिधि कृतियॉं, साहित्यिक विशेषताएँ।

(घ) काव्यांग : काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, अंग, विभावादि तथा उदाहरण।
प्रमुख पाँच छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, कुंडलियाँ तथा सवैया।
अलंकार : शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुनरुक्ति प्रकाश।
अर्थालंकार : उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान तथा संदेह अलंकार।

अंक विभाजन :

4 आलोचनात्मक प्रश्न	44 अंक
4 लघुउत्तरीय प्रश्न	16 अंक
15 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	15 अंक
	कुल 75 अंक

23/02/23

इकाई विभाजन :

इकाई एक	– हिंदी भाषा का स्वरूप– विकास (खण्ड–क)	18 कालखण्ड
इकाई दो	–हिंदी का शब्द भंडार (खण्ड–क, का अंतिम भाग)	18 कालखण्ड
इकाई तीन	–हिंदी साहित्य का इतिहास (खण्ड–ख एवं ग)	18 कालखण्ड
इकाई चार	–काव्यांग– रस, छंद, अलंकार (खण्ड–घ)	18 कालखण्ड
इकाई पाँच	–लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	18 कालखण्ड

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. सुनील त्रिवेदी एवं बाबूलाल शुक्ल, (प्रकाशक– म.प्र. उच्च शिक्षा अनुदान आयोग)

2.राजभाषा हिंदी –मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)

3.हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी

4.हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन – डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, डॉ. हरिमोहन बुधौलिया (प्रकाशक–मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी)

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (CLO)

1. हिंदी भाषा के आधारभूत ज्ञान प्राप्ति के साथ, हिंदी के विविध रूपों से अवगत कराना।
2. हिंदी के शब्द भंडार से परिचित कराना जिससे विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध और परिमार्जित हो सके।
3. भाषा साहित्य तथा संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों की समझ और विवेक को विकसित करना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को साहित्य की प्रमुख युगीन प्रवृत्तियों के साथ विकास क्रम से अवगत कराना तथा उस काल की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी परिचित कराना।
5. काव्यांग विवेचन में अलंकारों और छंदों का अध्ययन कर भाषा के सौंदर्य के साथ–साथ, काव्य– परंपरा को भी समृद्ध करना।

23.2.2023

23/02/23